



346049 - পাত্ৰীকে মোহরানা হসিবে স্বৰ্ণ কনোর জন্য কছি অৰ্থ দয়িছেলি, এরপর बयिडे भङ्गेगए यय

प्रश्न

जनकै पात्र पात्रर परवारके एकटा अंकरे अर्थ दयिछेलि बयिरे प्रस्तावरे समय सम्पादति चूकति मोतावके कछि ग्राम स्वर्ण कनोर जन्य। बयिरे आकद करार दुई बछर आगे এই स्वर्ण मोहराना हसिबे अग्रमि प्रदान करा हय; उपहार हसिबे नय। कयके मास परे कथिवा दुई बछर पूरण हओयार पूरबे बयिरे प्रस्तावना बातलि करा हय। এখন पात्र ये अर्थटा प्रदान करछेलि सटो कि फरेत नबिडे; नाकि स्वर्ण नबिडे? उल्लखेय, हते पाररे एर मध्ये स्वर्णरे दाम बडे गछे कथिवा कम गछे।

प्रयि उत्तर

आलहामदु ललिलाह।

एक:

यमेनटा प्रश्नटे उल्लखे करा हयछे ये, এই स्वर्ण अग्रमि मोहराना हसिबे चूकति सम्पन्न हयछे; उपहार हसिबे नय; सकेषतेरे बयिरे प्रस्तावना बातलि करा हले पात्ररे এই अधिकार रयछे ये, तनि सम्पूर्ण मोहराना फरियि नबिने। कनेना बयिरे आकद सम्पन्न हओया छाड़ा मये केन कछि पाओयार हकदार नय।

दुई:

आपनार प्रश्न: से क अर्थरे परमिण ग्रहण करबे; नाकि स्वर्ण?

एर जबाब हलो: प्रश्नटे उल्लखे करा हयछे ये, “चूकति मोतावके कछि ग्राम स्वर्ण कनोर जन्य।” এই कथा नरिदशे करे ये, मोहराना छलि स्वर्ण एवं एर परमिणरे व्यापारे उभयपक्ष एकमत हयछेलि। पात्र तदरेके तार प्रतनिधि बानयि अर्थटा दयिछेलि याते करे तारा तदरे पछन्दसई स्वर्ण कनिते पाररे। प्रश्नकारर दशे एटाई प्रचलति रीति। एटा हलो एकसचएङ्ज (नगद अर्थ दयि स्वर्ण करय करा)-एर कषतेरे प्रतनिधि बानानो। आलमेदरे सर्वसम्मतिक्रमे ए धरणरे प्रतनिधि बानानो जायये।

इबनुल मुनयरि (रहः) बलने:

“आमरा यतजन आलमे थके मुखस्त करछे तारा सकले एकमत ये, एकसचएङ्जरे कषतेरे प्रतनिधि बानानो



জায়গে।”[আল-ইশরাফ (৮/৩১২) থেকে সমাপ্ত]

উপরোক্ত আলোচনার প্রেক্ষিতে যদি স্বর্ণ কনোর পূর্বহেই বয়রে প্রস্তাবনা বাতলি করা হয় তাহলে লেনেদেনে করার পূর্বহেই প্রতিনিধিত্ব বাতলি হয়ে গেলো। সক্ষেত্রে যে অর্থটি পাত্র তাদরেককে দিয়েছিলি সটোই তিনি ফরেত নবিনে; স্বর্ণরে দাম বাড়া বা কমার দকি না তাকয়ি।

ইবনে কুদামা (রহঃ) বলনে:

“প্রতিনিধি বানানো— এটি উভয়রে পক্ষ থেকে একটি জায়গে চুক্তি। মক্কলে (নয়ীগদাতা) যে কোন সময় তার উকলিকে (প্রতিনিধিকে) বরখাস্ত করতে পারে এবং উকলি নজিও যে কোন সময় ইস্তফা দতি পারনে। কেননা এ চুক্তিটি হচ্ছ লেনেদেনে করার অনুমতি। তাই উভয়রে এটি বাতলি করার অধিকার রয়ছে; যমেনভাবে কটে যদি কাউকে তার খাবার খাওয়ার অনুমতি দিয়ে। দুইজনরে একজন মারা যাওয়ার মাধ্যমে কথিবা পাগল হওয়ার মাধ্যমেও প্রতিনিধিত্ব বাতলি হয়ে যাবে। আমাদরে জানা মতে এ বিষয়গুলো নিয়ে কারো দ্বমিত নাই।”[আল-মুগনী (৭/২৩৪)]

আর যদি স্বর্ণ কনি ফলোর পর প্রতিনিধিত্ব বাতলি হয় তাহলে পাত্ররে পাওনা হলো স্বর্ণ; প্রদত্ত অর্থ নয়। কেননা তারা ক্রয়রে ক্ষত্রে তার প্রতিনিধি হিসেবে স্বর্ণ কনি ফলেছে। তাই যনে পাত্র নজিই সটে ক্রয় করছে।

আল্লাহই সর্বজ্ঞ।